M P C S T

NEWS LETTER

(A Quarterly Publication of MPCST, Bhopal)

ISSN-0972-7949

April-June, 2016

(For Official Circulation Only)

In meetings, conferences or in any public forums Bose would often close his eyes and people would think that he had fallen asleep. But he used to be alert all the time. Once presiding over a lecture of Professor Niels Bohr at the Saha institute of Nuclear Physics, he had closed his eyes and it seemed that he was asleep. But when Professor Bohr hesitated before the blackboard and said 'Perhaps professor Bose can help me here', he at once opened his eyes, explained the mathematical point and seemed to revert to his unseeing meditation. On another occasion, at the same venue, he was presiding over a lecture by Professor Frederic Joliot Curie. After introducing the speaker in English, he closed his eyes as usual. But when Professor Joliot asked for an interpreter to render his speech in French into English and none came forward, Professor Bose opened his eyes, stood up and translated Professor Joliot's speech into chaste English sentence by sentence

Music was one of his early loves and his interests ranged from folk music to classical as well from Indian to Western. He was extremely fond of instrumental music and played on the Esraj like a master. People have seen him playing on his Esraj in a lonely corner of his home, with tears rolling down his eyes. The fact that he played the Esraj himself is well known. What is not so well known is that he played the flute too.

When Professor Dhurjati Prasad Mukherjee was writing his book on Indian music he received a number of helpful suggestions from his friend Bose. Dhurjati Prasad used to say that if Bose had not been a scientist he might have become a master musicologist."

(Excerpts from the biography of Satyendra Nath Bose)

In this Issue • अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ • अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस • अनमोल वचन

अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ

12–14 मई 2016

अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ के शुभारंभ अवसर पर विशिष्ट जन।

सदियों से सिंहस्थ महापर्व के अवसर पर विचार-मंथन की परम्परा रही है। इसमें समाज, राष्ट्र और विश्व के विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान होता रहा है। एक लंबे अंतराल के बाद मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने विचार मंथन की ओजस्वी परम्परा को पुनजीर्वित किया, जिसके अंतर्गत पूर्व पीठिका के रूप में मूल्य आधारित जीवन और अन्य संबंधित विषयों पर चार वैचारिक कुंभ आयोजित किये गये। चौथा वैचारिक कुंभ 12-14 फरवरी 2016 के दौरान भोपाल में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्, विज्ञान भारती और स्वामी विवेकानन्द योग एवं अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में हुआ, जिसमें देश विदेश के वैज्ञानिक, अध्यात्म गुरू और शोधार्थियों ने भाग लिया।

पूरे विश्व को सिंहस्थ - 2016 का सार्वभौमिक संदेश देने के उद्देश्य से 12-14 मई के दौरान 'जीने की सही दिशा' (लिविंग-द राइट वे) विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में भारत एवं विश्व के विभिन्न देशों के विद्वानों ने मूल्य आधारित जीवन, मानव कल्याण के लिए धर्म, ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं अध्यात्म, महिला सशक्तिकरण, कृषि की ऋषि परम्परा, स्वच्छता एवं पवित्रता, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विषयों पर विचार मंथन किया।

12 मई को उज्जैन के समीप ग्राम निनौरा में सम्मेलन का शुभारंभ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ. मोहनराव भागवत थे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानंदजी, देव संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलपति श्री प्रणव पंड्या, महाबोधि सोसायटी श्रीलंका के प्रेसीडेंट श्री वेन बानगल उपतिस्स नायक थेरो थे। स्वागत भाषण माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दिया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन समिति के

समापन समारोह में 'सार्वभौम अमृत संदेश' का विमोचन करते हुए प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी एवं अन्य विशिष्ट जन।

चेयरमैन तथा राज्यसभा सांसद श्री अनिल माधव दवे ने किया। उद्घाटन समारोह के बाद 'सम्यक जीवन शैली' और 'स्वच्छता सरिता' कुंभ विषय पर प्लेनरी सत्र आयोजित किये गये। विचार महाकुंभ के दूसरे दिन 13 मई को कृषि एवं कुटीर कुंभ, पर्यावरण कुंभ और शक्ति कुंभ पर प्लेनरी सत्र हुए। दोनों ही दिन समानांतर सत्रों के दौरान विद्वानों के बीच विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तीसरे दिन 14 मई को विशेष सत्र आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता लोकसभा स्पीकर माननीय श्रीमती सुमित्रा महाजन ने की । इस अवसर पर श्रीलंका के नेता प्रतिपक्ष श्री आर सम्पंथान, नेपाल के श्री रवील रेग्मी, बांग्लादेश के सांसद श्री साधन चन्द्र मजूमदार, भूटान के सूचना मंत्री श्री डी.एन. थुंगयाल आदि ने संबोधित किया। इस सत्र में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री रमनसिंह, राजस्थान की मुख्यमंत्री श्रीमती वसुंधरा राजे सिंधिया, झारखण्ड के मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहरलाल खट्टर, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री देवेन्द्र फणनवीस, म.प्र. के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान उपस्थित थे।

समापन समरोह में मुख्य अतिथि भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी ने 'सिंहस्थ-2016 के सार्वभौम अमृत संदेश' का विमोचन किया। इसमें 51 बिन्दुओं को सम्मिलित किया गया है, जो चुनिंदा आठ विषयों पर विचार मंथन के बाद निकले हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्रीलंका के राष्ट्रपति महामहिम श्री मैत्रीपाल सिरिसेना थे।

वैचारिक महाकुंभ में 13 मई को विज्ञान एवं अध्यात्म सत्र में भारत के 60 एवं विश्व के विभिन्न देशों के दस वैज्ञानिक उपस्थित थे। इनमें ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात, मिस्त्र आदि देशों से पधारे विद्वान थे। इस अवसर पर परिषद् के महानिदेशक प्रो. प्रमोद के. वर्मा ने आमंत्रित वैज्ञानिकों और आध्यात्मिक संतों की आत्मीय अगवानी की।

'काल, क्षेत्र और उज्जयिनी' पर केंद्रित प्रदर्शनी

प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए महानिदेशक प्रो. वर्मा एवं वैज्ञानिकगण।

तीन-दिवसीय वैचारिक महाकुंभ के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसमें म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् ने भी भाग लिया।

परिषद् के प्रदर्शनी मंडप में प्रसिद्ध छायाकार, लेखक और वृत्तचित्र फिल्म निदेशक श्री संगीत वर्मा, के 'काल, क्षेत्र और उज्जयिनी' पर केंद्रित लगभग पचास प्रदर्शों (एक्जीबिट) को सम्मिलित किया गया था। भारतीय ज्ञान परम्परा में काल और क्षेत्र के विज्ञान पर केंद्रित प्रदर्शनी का आमंत्रित विद्वतजनों सहित कलाप्रेमी दर्शकों ने रुचिपूर्वक अवलोकन किया। श्री संगीत वर्मा और उनकी सहयोगी, श्रीमती नेहा तिवारी ने प्रदर्शों की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए दर्शकों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

डॉ. गर्ग, टीआईआईसी में विशेषज्ञ सदस्य

परिषद् में विज्ञान लोकव्यापीकरण के प्रभारी वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. सुनील कुमार गर्ग को अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान (एबीबी आईआईआईटीएम), ग्वालियर द्वारा विशेषज्ञ सदस्य नियुक्त किया गया। डॉ. गर्ग ने विशेषज्ञ सदस्य के रूप में टीआईआईसी के इनक्यूबेशन प्रपोजल्स का मूल्यांकन किया।

अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक परिषद् में

जीनोम सलाहकार डॉ. मदन थंगावेलु और भू-विज्ञानी प्रो. ममदोह आबदीन विभिन्न कार्यक्रमों में

- 17 मई को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम के जीनोम बायोलॉजिस्ट डॉ. मदन थंगावेलु एवं नेशनल अभारिटी-फॉर रिमोट सेंसिंग एण्ड स्पेस साइंस, काहिरा, मिस्त्र के खनिज एवं भू-विज्ञान विभाग प्रमुख प्रो. ममदोह आबदीन ने जैव प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता केन्द्र (सीईबीटी), गुणवत्ता आश्वासन प्रयोगशाला (क्यूएएल), मध्यप्रदेश रिसोर्स एटलास प्रोग्राम (एमपीआरए), जीआईएस- एवं इमेज प्रोसेसिंग डिवीजन, भूमि उपयोग एवं शहरी सर्वेक्षण विभाग (एलयूएण्डयूएसडी) की प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया।
- विज्ञान भवन में 18 मई को नवनिर्मित डिजिटल विमर्श कक्ष का उद्घाटन एनएआरएसएस, काहिरा, मिस्त्र के खनिज एवं भू-विज्ञान विभाग, प्रमुख प्रो. ममदोह आबदीन एवं कैम्ब्रिज- विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम के जीनोम सलाहकार डॉ. मदन थंगावेलु के विशेष आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के महानिदेशक प्रो. प्रमोद के. वर्मा ने की। इस अवसर पर कार्यकारी संचालक डॉ. आर.के. सिंह उपस्थित थे।
- परिषद् द्वारा 18 मई को विज्ञान भवन के सभागृह में परिचर्चा आयोजित की गई, जिसमें आमंत्रित वैज्ञानिक डॉ. मदन थंगावेलु एवं प्रो. ममदोह आबदीन ने विचार व्यक्त किये।

इस अवसर पर परिषद् के महानिदेशक प्रो. प्रमोद के. वर्मा ने दोनों वैज्ञानिकों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम का संचालन परिषद् के आरएण्डडी डिवीजन के प्रमुख मुख्य वैज्ञानिक श्री तस्नीम हबीब ने किया। परिचर्चा में कार्यकारी संचालक डॉ. आर.के. सिंह, संयुक्त संचालक प्रशासन श्री व्ही.के. दुबे, वैज्ञानिक, अधिकारी एवं प्रोजेक्ट स्टॉफ के फैलो उपस्थित थे।

- 18 मई को विज्ञान भवन में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (एमपीसीएसटी) भोपाल और नेशनल अथॉरिटी ऑफ रिमोट सेंसिंग एण्ड स्पेस साइंसेज (एनएआरएसएस), काहिरा, इजिप्ट के बीच एक एमओयू (सहमति पत्र) पर हस्ताक्षर किये गये। दोनों देशों के मध्य हुए एमओयू पर प्रो. ममदोह एम. आबदीन, हेड ऑफ जियोलॉजिकल एप्लीकेशन एण्ड मिनरल रिसोर्सेज डिवीजन, एनएआरएसएस, काहिरा, मिस्त्र और प्रो. प्रमोद के. वर्मा, एमपीसीएसटी, भोपाल ने हस्ताक्षर किये। इस समझौते के अंतर्गत दोनों के बीच संयुक्त शोध परियोजनाओं विशेष रूप से सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) में परस्पर हितों के क्षेत्रों में

सहयोग किया जायेगा। सुदूर संवेदन, भौगोलिक सूचना प्रणाली (जीआईएस) और जीपीएस टैक्नोलॉजी एण्ड एप्लीकेशन से संबंधित विषयों में कार्यशाला, सेमीनार, संगोष्ठी, व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और सम्मेलनों का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार वरिष्ठ/कनिष्ठ स्टॉफ स्तर पर रिसर्च स्कॉलर्स का आदान-प्रदान किया जायेगा।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए महानिदेशक प्रो. प्रमोद के. वर्मा एवं भू विज्ञानी प्रो. ममदोह आबदीन।

'मध्यप्रदेश की कृषि मानचित्रावलि' का विमोचन

दिल्ली में 'मध्यप्रदेश की कृषि मानचित्रावलि' के विमोचन में विशिष्टजन।

1 जून को आईजीएनसीए सभागार, नई दिल्ली में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (एमपीसीएसटी) भोपाल और समाज नीति समीक्षण केन्द्र (सीपीएस) नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित 'मध्यप्रदेश की कृषि मानचित्रावलि' (एग्रीकल्चरल एटलस ऑफ मध्यप्रदेश) का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह भी भैयाजी जोशी ने एटलस का विमोचन करते हुए भारतीय संस्कृति में कृषि की गहरी जड़ों और सम्मान भाव को रेखांकित किया।

मध्यप्रदेश शासन के वैज्ञानिक सलाहकार और परिषद् के महानिदेशक प्रो. प्रमोद के. वर्मा ने एटलस कार्यक्रम के उद्देश्य और प्रकाशन की जानकारी दी। सीपीएस नई दिल्ली के डॉ. जे.के. बजाज ने एटलस के बारे में विस्तारपूर्वक प्रजेंटेशन दिया। इस अवसर पर परिषद् के कार्यकारी संचालक डॉ. आर.के. सिंह और एमपीआरए डिवीजन के प्रमुख वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. संदीप गोयल उपस्थित थे। धन्यवाद उद्बोधन सीपीएस के प्रो. एम.डी. श्रीनिवास ने दिया।

विमोचन समारोह में दतिया और टीकमगढ़ पर केंद्रित संसाधन एटलस का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के पूर्व महानिदेशक डॉ. महेश शर्मा भी उपस्थित थे।

रिसर्च पेपर प्रकाशित

- परिषद् में सुदूर संवेदन उपयोग केन्द्र में मृदा एवं कृषि प्रभाग के प्रमुख एवं वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जी.डी. बैरागी का 'नेशनल इन्वेंटरी ऑफ रबी पल्सेस इन इंडिया यूजिंग रिमोटली सेंस्ड डाटा' (01 जुलाई 2016) जर्नल इंडियन सोसायटी ऑफ रिमोट सेंसिंग, डीओआई 10.1007/एस 12524-016-0603-4 में प्रकाशित हुआ है, जिसे जी.डी. बैरागी, संदीप पांडग्रे, गजेन्द्र पटेल, एस.पी. व्यास, जी.एन. नवीन कुमार, इंदल रामटेक एवं प्रीतम मेश्राम ने संयुक्त रूप से लिखा है।
- इंटरनेशनल वर्कशाप ऑन मल्टीस्पेक्ट्रल, हाइपर स्पेक्ट्रल एण्ड अल्ट्रास्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग टैक्नोलॉजी, टेक्नीक्स एण्ड एप्लीकेशंस VI, Proc. of SPIE Vol. 9880, 98800I (04-07 April 2016) Evaluations of LISS-III and AwiFS Sensor data for wheat acrearge estimation शीर्षक से रिसर्च पेपर प्रकाशित हुआ है, जिसे एस.बी. गोस्वामी, जी.डी. बैरागी, शरद सी.कार एवं एस.के. शर्मा ने संयुक्त रूप से लिखा है।

मुख्यमंत्री ने किया 'विज्ञान एवं अध्यात्म' विशेषांक का विमोचन

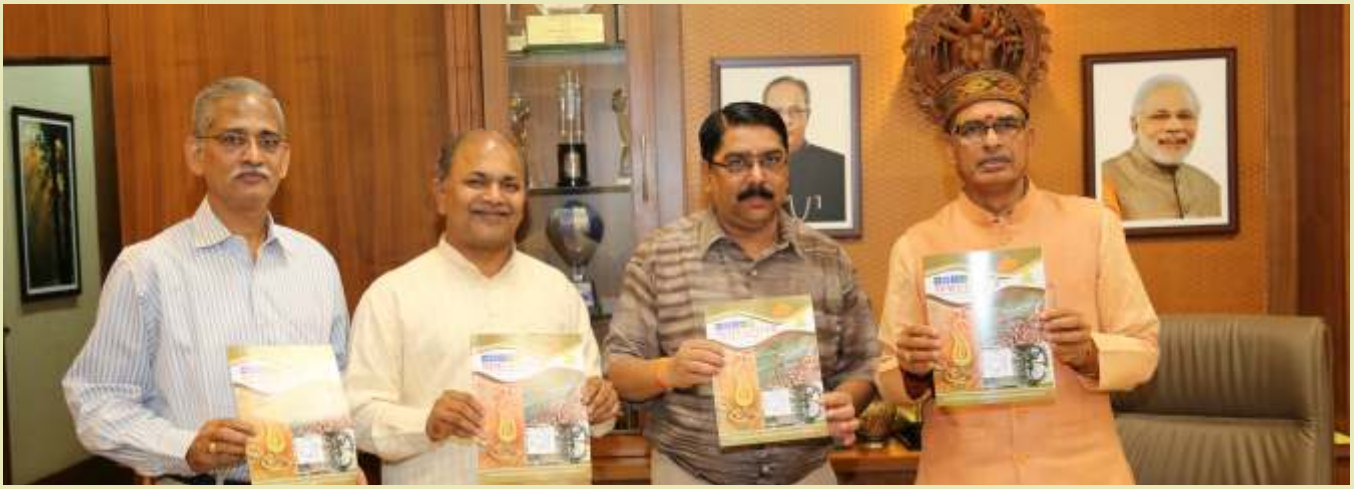

मुख्यमंत्री निवास पर 'विज्ञान एवं अध्यात्म' विशेषांक का विमोचन करते हुए मान. मुख्यमंत्री।

मुख्यमंत्री कार्यालय में 3 मई को माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी द्वारा एमपीसीएसटी न्यूजलेटर के 'विज्ञान एवं अध्यात्म' विषय पर केंद्रित विशेषांक का विमोचन किया। इस अवसर पर परिषद् के महानिदेशक प्रो. प्रमोद के. वर्मा, विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री जयंत सहस्त्रबुद्धे और उद्योगपति श्री विजय सकलेचा उपस्थित थे।

म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् भोपाल, विज्ञान भारती तथा स्वामी विवेकानन्द योग एवं अनुसंधान संस्थान, बैंगलुरु के संयुक्त तत्वावधान में 12-14 फरवरी के दौरान चौथा वैचारिक कुंभ आयोजित किया गया था, जिसकी प्रोसीडिंग्ज को विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

योगासन करते हुए परिषद् परिवार।

परिषद् में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें संयुक्त संचालक, जनसंपर्क श्री प्रफुल्ल मेघावाले ने वैज्ञानिकों और अधिकारियों सहित परिषद् परिवार के सभी सहयोगियों को योगासन की विभिन्न क्रियायें कराईं।

श्री मेघावाले ने योग आसनों के दौरान सांसों के नियंत्रण की क्रियाविधि का डेमो देते हुए बताया कि 'एक श्वास, एक जीवन' का महत्व है। बिना सांस के जीवन नहीं है। उन्होंने सभी को सांस के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। इस कार्यक्रम में कार्यकारी संचालक डॉ. आर.के. सिंह, संयुक्त संचालक वित्त श्री व्ही.के. दुबे सहित प्रोजेक्ट स्टॉफ ने भी भाग लिया।

परिषद् के विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियाँ

भूमि उपयोग एवं शहरी सर्वेक्षण विभाग

परिषद् के कार्यक्रमों से अवगत होते हुए डॉ. थंगावेलु तथा प्रो. आबदीन

- भोपाल केपिटल रीजन प्रादेशिक योजना के अंतर्गत 4 अप्रैल को कलेक्टर कार्यालय, सीहोर में जिला योजना समिति की बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता राजस्व एवं पुनर्वास मंत्री माननीय श्री रामपाल सिंह ने की। बैठक में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के भूमि उपयोग एवं शहरी सर्वेक्षण विभाग के प्रमुख वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विवेक कटारे ने भोपाल राजधानी प्रादेशिक योजना 2031 पर प्रजेंटेशन दिया। इस अवसर पर इछावर विधायक श्री शैलेन्द्र पटेल एवं आष्टा विधायक श्री रणजीत सिंह गुणवान उपस्थित थे। बैठक में परिषद् के रिसर्च एसोसिएट श्री श्याम अग्रवाल और नगर तथा ग्राम निवेश के उप संचालक श्री सुनीलनाथ ने भी भाग लिया। बैठक के दौरान योजना पर चर्चा के बाद महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये।
- 17 मई को कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, यूके के जीनोम सलाहकार डॉ. मदन थंगावेलु और नेशनल अथॉरिटी फॉर रिमोट सेंसिंग एण्ड स्पेस साइंस सेंटर, काहिरा, इजिप्ट के खनिज एवं भू-विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. ममदोह आबदीन ने भूमि उपयोग एवं शहरी सर्वेक्षण विभाग की प्रयोगशाला का अवलोकन किया। विभाग प्रमुख वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विवेक कटारे ने विभाग की गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर रिसर्च एसोसिएट डॉ. सतीश चक्रवर्ती ने विभिन्न परियोजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में प्रजेंटेशन दिया।

सीहोर में जियोस की बैठक में वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विवेक कटारे।

पेटेंट रिसर्च एण्ड इनोवेशन फेसिलिटी

''बौद्धिक सम्पदा अधिकार'' पर विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन

व्याख्यान देते हुए वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एन.के. चौबे

परिषद् के वित्तीय सहयोग से ''बौद्धिक सम्पदा अधिकार'' पर विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिनमें पेटेंट रिसर्च एण्ड इनोवेशन फेसिलिटी के प्रभारी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एन.के. चौबे तथा परियोजना वैज्ञानिक श्री अम्बरीश शुक्ला द्वारा विषय संबंधी व्याख्यान दिए गए।

- इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड साइंस आईपीएस एकेडमी, इन्दौर में 8-9 अप्रैल के दौरान आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में 120 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।
- स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय, रायसेन में 28 अप्रैल को विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यशाला में एनआरडीसी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, के पूर्व सलाहकार डॉ. विनय कुमार, पूर्व निदेशक राम खिलाड़ी एवं पेटेंट सूचना केन्द्र, के प्रभारी डॉ. एन.के. चौबे उपस्थित थे।
- मल्होत्रा फार्मेसी महाविद्यालय, भोपाल में 29 अप्रैल को आयोजित जागरूकता कार्यशाला का उद्घाटन मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र शर्मा ने किया। अध्यक्षता, मल्होत्रा महाविद्यालय, भोपाल के निदेशक ने की। इस अवसर पर डॉ. विनय कुमार एवं श्री राम खिलाड़ी उपस्थित थे।
- 20 मई आईसेक्ट यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय रिसर्च मैथडोलॉजी पर कार्यशाला आयोजित की गई।
- पेटेंट सूचना केन्द्र द्वारा 33 बौद्धिक सम्पदा अधिकार (कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, डिजाइन सहित) आविष्कारकर्ताओं को भारतीय पेटेंट कार्यालय, मुम्बई एवं कॉपीराइट कार्यालय, नई दिल्ली में आवश्यक कार्यवाही (आवेदन) हेतु तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया।

सेमीनार में उपस्थित वैज्ञानिक एवं शोधकर्ता

प्रो. टी.एस. मूर्ति विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्टेशन, औबेदुल्लागंज

कार्यशाला में भाग लेते हुए वरिष्ठ नागरिक

- 4-6 अप्रैल के दौरान बुन्देलखंड क्षेत्र के 26 कृषकों हेतु जैविक कृषि अनुप्रयोग पर तीन-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- 300 कृषकों/छात्रों एवं जनसामान्य ने केन्द्र का भ्रमण कर विभिन्न गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। जैवविविधता संरक्षण के उद्देश्य से रोपण हेतु 500 औषधीय पौधों का वितरण किया गया।
- 17 मई को बंसल कॉलेज के 35 फार्मेसी छात्रों व प्राध्यापकों हेतु टिशू कल्चर तकनीक पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई।
- 40 ग्रामीण उद्यानिकी विस्तार अधिकारियों हेतु 2 अप्रैल को टिशू कल्चर व औषधीय पौधों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम वाल्मी भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया।
- 15 जून को ''ग्रामीण विकास में वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका'' विषय पर रायसेन जिले के वरिष्ठ नागरिकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें जिले की विभिन्न तहसीलों के लगभग 100 वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रो. रेखा रिछारिया थीं। समन्वयन केन्द्र प्रभारी डॉ. राजेश सक्सेना ने किया।
- केन्द्र की टिशू कल्चर प्रयोगशाला में 8 महत्वपूर्ण औषधीय व व्यावसायिक महत्व के पौधों का प्रोटोकाल बनाने का कार्य शुरू किया गया।
- टिशू कल्चर तकनीक पर बी.टेक. बायोटेक्नालॉजी की एक छात्रा को एक माह की ट्रेनिंग प्रदान की गई।
- केन्द्र के जैविक कचरे से 20 क्विंटल जैविक केंचुआ खाद के प्रयोग एवं निर्माण प्रक्रिया की जानकारी कृषकों को दी गई।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. भारतेन्दु प्रकाश।

जैविक पान उत्पादन पर कार्यशाला

10 अप्रैल को छतरपुर जिले के महाराजपुर क्षेत्र में पान उत्पादक कृषकों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 220 कृषकों ने भाग लेकर चर्चा की व पान उत्पादन से जुड़ी अपनी समस्याएं बताईं। परिषद् के औबेदुल्लागंज केन्द्र में पान का एक छोटा बरेजा बना कर पान रोपित कर उसका वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन जारी है। साथ ही पान की उन्नत किस्मों का टिशू कल्चर पद्धति से प्रोटोकाल तैयार किया गया। कार्यक्रम का समन्वयन केन्द्र के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रभारी डॉ. राजेश सक्सेना द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डॉ. भारतेन्दु प्रकाश, संचालक बुन्देलखंड संसाधन केन्द्र भी उपस्थित थे।

श्रेष्ठ जैव विविधता उद्यान पुरस्कार

पुरस्कार ग्रहण करते हुए वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजेश सक्सेना

22 मई को विश्व जैव विविधता दिवस पर केन्द्र को म.प्र. जैवविविधता बोर्ड, वन विभाग म.प्र. शासन द्वारा वर्ष 2016 का श्रेष्ठ जैवविविधता उद्यान पुरस्कार (शील्ड, प्रमाण पत्र, 5 हजार रु. का चेक) प्रदेश के माननीय वनमंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार द्वारा केन्द्र प्रभारी एवं वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राजेश सक्सेना को प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है, वर्ष 2011 व 2014 में भी जैवविविधता संरक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु केन्द्र को पुरस्कृत किया जा चुका है।

डॉ. राजेश सक्सेना द्वारा प्रदत्त व्याख्यान

- 11 अप्रैल को ए.के.एस. विश्वविद्यालय सतना में ग्रामीण विकास में वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका विषय पर।
- 08 जून को म.प्र. जल एवं भूमि प्रबंधक संस्थान (वाल्मी) में पौध ऊतक संवर्धन तकनीक एवं औषधीय पौधों का उत्पादन विषय पर।
- 22 जून को म.प्र. शासन कृषि विभाग के कृषि प्रशिक्षण केन्द्र (सीएट) भोपाल द्वारा विभिन्न जिलों के कृषि अधिकारियों हेतु आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मृदा स्वास्थ्य हेतु वैज्ञानिक तरीके विषय पर।

जैविक कृषि पद्धति प्रशिक्षण में प्रतिभागी और वैज्ञानिकगण।

उपलब्धियाँ

- राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की, भारत सरकार द्वारा बुन्देलखंड के चार जिलों छतरपुर, टीकमगढ़ (म.प्र.) एवं ललितपुर, झांसी (उ.प्र.) के चयनित ग्रामों में केपेसिटी बिल्डिंग, आजीविका उन्नयन एवं कौशल विकास हेतु परिषद् को महत्वपूर्ण परियोजना कार्य प्रदान किया गया।
- सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, भोपाल द्वारा डॉ. राजेश सक्सेना को महाविद्यालय के जीवशास्त्र संकाय की परीक्षा समिति में विषय विशेषज्ञ सदस्य (वर्ष 2016-17) नामांकित किया गया।
- म.प्र. शासन द्वारा 12-14 मई के दौरान ग्राम निनौरा, उज्जैन में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ के कृषि मंथन सत्र में डॉ. राजेश सक्सेना ने म.प्र. शासन के आमंत्रित विषय विशेषज्ञ के रूप में चर्चा में भागीदारी की।

शोध निर्देशन

- एपको, भोपाल द्वारा पर्यावरण प्रबंधन पर संचालित पी.जी. डिप्लोमा कोर्स में दो छात्रों को डिजर्टेशन रिपोर्ट हेतु डॉ. राजेश सक्सेना द्वारा शोध निर्देशन किया गया।

सामाजिक आर्थिक विकास के लिए विज्ञान

- दृष्टिकोण जनकल्याण समिति, भोपाल द्वारा पेपरमेशी शिल्प में हस्तशिल्पियों के समग्र विकास एवं स्थापन हेतु क्लस्टर विकास परियोजना के अंतर्गत ''पेपरमैशी शिल्प'' विषय पर दो जागरूकता तथा दो कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन रायसेन जिले के सलामतपुर एवं गीदगढ़ ग्रामों में किया गया।
- नित्या कैंसर अवेयरनेस एण्ड सोशल फाउंडेशन द्वारा तहसील नसरुल्लागंज, जिला सीहोर एवं तहसील नरसिंहगढ़, जिला राजगढ़ में आयोजित ''जैविक खेती प्रशिक्षण एवं प्रचार-प्रसार'' कार्यक्रमों में 94 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- प्रियांशी एजुकेशनल कल्चरल एंड सोशल सोसाइटी, भोपाल द्वारा इंदौर की कुष्ठ प्रभावित बस्ती में 50 महिलाओं को हैंडमेड मशीन द्वारा कम लागत की सेनेटरी नेपकिन निर्माण हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 14-15 मई को शारदा शिक्षा समिति द्वारा शाजापुर जिले के ग्राम अमलाए में जैविक कृषि को प्रोत्साहित करने के लिए वर्मी कम्पोस्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- खण्डवा एवं सागर जिलों में कुपोषण रोकथाम तथा महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण आहार कार्यशाला के आयोजन हेतु वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया।
- ग्वालियर में महिलाओं को कम लागत की सेनेटरी नेपकिन निर्माण हेतु प्रशिक्षण सहयोग प्रदान किया गया।
- निराकरण जनकल्याण सेवा समिति, भोपाल द्वारा ग्राम चउरहा, पोस्ट बरुआ जिला सतना में 20 दिवसीय पेपर मेशी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- भाऊ साहेब भुस्कुटे स्मृति न्यास गोविन्द नगर, जिला होशंगाबाद द्वारा डिंडौरी तथा छिंदवाड़ा जिलों एवं रायसेन जिले के सिलवानी विकास खण्ड में बांस उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- अलकनंदा ग्रामीण जनकल्याण गौसेवा समिति द्वारा अमझरा एवं पदरिया गांवों में जैविक कीट नाशक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- जनचेतना सामाजिक संस्थान, सागर द्वारा टड़ा एवं बम्हौरी गांवों में जैविक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- ईशा एजुकेशन एण्ड वेलफेयर सोसाइटी, भोपाल द्वारा ग्राम मंक्षेणा, जिला सीहोर में जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 16 मई को विजेता महिला समाज कल्याण समिति, भोपाल द्वारा ग्राम पलासी में जैविक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- गुडलक वेलफेयर सोसाइटी, भोपाल द्वारा जिला सागर में कम लागत की पोषक सामग्री तैयार करने हेतु ''कुपोषण रोकथाम जागरूकता एवं प्रशिक्षण'' पर आयोजित चार कार्यक्रमों के माध्यम से 120 महिलाएं लाभांवित हुईं।

उज्जैन तारामण्डल

प्रतिभागियों के साथ तारामंडल प्रभारी श्री शैलेन्द्र डाबी।

- उज्जैन तारामंडल में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विधायक एवं विधानसभा प्राक्कथन समिति सदस्य डॉ. मोहन यादव ने मुख्य अतिथि उद्‌बोधन देते हुए विश्व पर्यावरण के परिदृश्य की चर्चा करते हुए वनस्पतियों, जीव-जन्तुओं, एवं अन्य प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर दिया।
- उज्जैन तारामण्डल एवं भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) के संयुक्त तत्वावधान में 2 अप्रैल को एक-दिवसीय विशेष परिचर्चा एवं तारामण्डल कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिचर्चा में उज्जैन तारामण्डल के प्रभारी प्रधान वैज्ञानिक श्री शैलेन्द्रसिंह डाबी ने ब्रह्मांड की उत्पत्ति, विकास एवं मौजूदा स्थिति पर प्रकाश डालते हुए रोचक जानकारी दी। तारामण्डल का 'कास्मिक कालिजंस' वृत्तचित्र भी दिखाया गया। कार्यक्रम में आईआईएसईआर के सर जे.सी. बोस चेयर प्रोफेसर एवं पृथ्वी विज्ञान विषय के विशेषज्ञ प्रोफेसर सम्पत कुमार टंडन, डॉ. रम्यासुंदर रमन, प्रमुख पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान विभाग, शोधार्थी एवं फेकल्टी मेम्बर उपस्थित थे। प्रश्नोत्तर सत्र के दौरान शोधार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिये गये।
- 30 जून को शासकीय पॉलीटेक्नीक कॉलेज, उज्जैन में कलेक्टर की अध्यक्षता में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों एवं संचालकों की बैठक हुई, जिसमें शैक्षणिक एवं पाठ्येत्तर गतिविधियों के संदर्भ में विचार-विमर्श हुआ।
- म.प्र. विधानसभा प्राक्कलन समिति ने 5 जून को उज्जैन तारामण्डल का भ्रमण किया और समीक्षा बैठक में भाग लिया। जिला कलेक्टर कार्यालय द्वारा समन्वयित इस आयोजन में प्रधान वैज्ञानिक श्री शैलेन्द्र डाबी ने समिति के सदस्यों को तारामण्डल की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। प्राक्कलन समिति ने परिषद् की गतिविधियों और कार्यक्रमों की सराहना की।

पौध रोपण करते हुए मुख्य अतिथि

म.प्र. विधानसभा प्राक्कलन समिति के सदस्यगण

सम्मान

डॉ. महेश शर्मा पद्मश्री से सम्मानित

28 मार्च को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में म.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् (एमपीसीएसटी) भोपाल के पूर्व महानिदेशक डॉ. महेश शर्मा को पद्मश्री से अलंकृत किया गया। उन्हें यह सम्मान उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए प्रदान किया गया। डॉ. शर्मा ने ग्रामीण औद्योगिकीकरण के क्षेत्र में अग्रणी तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में योगदान किया है। आपको कारीगर एवं शिल्प क्षेत्र में नवाचारी कार्यों के लिए व्यापक ख्याति मिली है।

विदाई

30 जून को शीघ्रलेखक ग्रेड-2 के पद पर कार्यरत श्री पी.आर.जी. राव को सेवानिवृत्ति पर भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर श्री राव पर केंद्रित डॉक्यूमेंटरी फिल्म दिखाई गई, जिसमें परिषद् के विभिन्न विभागों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए यशस्वी और स्वस्थ जीवन के लिए शुभकामनायें व्यक्त कीं। कार्यक्रम में महानिदेशक प्रो. प्रमोद के. वर्मा ने श्री राव को शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यकारी संचालक डॉ. आर.के. सिंह ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन प्रधान वैज्ञानिक डॉ. प्रवीण दिघर्रा ने किया।

महानिदेशक की कलम से....

भारतीय दर्शन का उद्देश्य जगत के वास्तविक स्वरूप को जानकर संसार के क्लेश से सदा के लिए मुक्ति पाना रहा है। इसी अवधारणा के साथ सिंहस्थ 2016 के दौरान परिषद् द्वारा अंतर्राष्ट्रीय विचार महाकुंभ का आयोजन किया गया। इस आयोजन को विज्ञान और अध्यात्म को एक दूजे का संपूरक सिद्ध करने की दिशा में एक सफल प्रयास माना जा सकता है।

योग की महत्ता को स्वीकारते संयुक्त राष्ट्र संघ ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता प्रदान की है। इस कड़ी को विस्तार देने के लिए परिषद् ने विज्ञान भवन परिसर में सप्ताह में एक या दो दिन योग प्रशिक्षण प्रदान करने की व्यवस्था आरंभ की है जो पूर्णरूपेण परिषद् परिवार का आंतरिक सराहनीय प्रयास है। अप्रैल से जून माह की अवधि में विदेश से आए कुछ वैज्ञानिकों ने परिषद् के साथ ज्ञान साझा किया। निरंतर चलने वाले कार्यों से परिषद् अपना गरिमामय स्वरूप बनाए रखने में सफल रहा।

इसके अलावा एक विशेष उपलब्धि परिषद् के पूर्व महानिदेशक डॉ. महेश शर्मा को भारत सरकार द्वारा पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया जाना रहा है। परिषद् परिवार गौरवान्वित महसूस करते हुए डॉ. महेश शर्मा को बधाई प्रेषित करता है।

शुभकामनाओं सहित

प्रो. प्रमोद के. वर्मा
महानिदेशक

संपादक मंडल

प्रधान सम्पादक	प्रो. प्रमोद के. वर्मा
कार्यकारी संपादक	डॉ. आर.के. सिंह
संपादक	सुधा अनुपम
सह सम्पादक	चक्रेश जैन

सुझाव व अपने विचार

निम्न ई-मेल पर भेज सकते हैं :-

newsletter.sudha@gmail.com

pubcell@mpcost.nic.in

संपर्क पता -

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद्

विज्ञान भवन, नेहरू नगर, भोपाल-462003

फोन : 0755-2671800

फैक्स : 0755-2671600

Website : www.mpcost.nic.in

E-mail : dg@mpcost.nic.in

Webmaster@mpcost.nic.in